पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 29

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न बैंक

birlaeducation.org

अध्याय-वार प्रश्न बैंक

बिरला एजुकेशन

अध्याय 29: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

भारत के पहले राष्ट्रपति की जीवनी

जीवन की प्रमुख घटनाएँ

वर्ष / तिथि	घटना
3 दिसंबर 1884	बिहार के सारण जिले के जीरादेई गाँव में जन्म
विद्यार्थी जीवन	हर परीक्षा में प्रथम स्थान पाया
कानून की पढ़ाई	कलकत्ता से कानून की पढ़ाई की
वकालत	कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की, बाद में पटना में वकालत करने लगे
1917	चंपारण सत्याग्रह में गांधीजी के साथ शामिल हुए
1934, 1939 और 1947	तीन बार कांग्रेस के अध्यक्ष बने
11 दिसंबर 1946	संविधान सभा के अध्यक्ष चुने गए
26 जनवरी 1950	भारत के पहले राष्ट्रपति बने
1950 से 1962	बारह वर्षों तक राष्ट्रपति रहे
1962	भारत रत्न से सम्मानित हुए
28 फरवरी 1963	पटना में निधन

birlaeducation.org

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) - 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

1. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का जन्म किस गाँव में हुआ था? अतिरिक्त

(क) जीरादेई

(ख) चंपारण

(ग) पटना

(घ) सारण

उत्तर: जीरादेई। राजेन्द्र प्रसाद का जन्म बिहार के सारण जिले के जीरादेई गाँव में हुआ था।

---

2. राजेन्द्र प्रसाद का जन्म बिहार के किस जिले में हुआ था? अतिरिक्त

(क) पटना

(ख) चंपारण

(ग) सारण

(घ) गया

उत्तर: सारण। उनका जन्म सारण जिले के जीरादेई गाँव में हुआ था।

---

3. राजेन्द्र प्रसाद ने कानून की पढ़ाई किस शहर से की थी? अतिरिक्त

(क) पटना

(ख) दिल्ली

(ग) कलकत्ता

(घ) बनारस

उत्तर: कलकत्ता। उन्होंने कलकत्ता से कानून की पढ़ाई की थी।

---

4. चंपारण सत्याग्रह किस जिले में हुआ था? अतिरिक्त

(क) सारण

(ख) चंपारण

(ग) पटना

(घ) मुजफ्फरपुर

birlaeducation.org

उत्तर: चंपारण। सन् 1917 में चंपारण जिले में सत्याग्रह हुआ था।

---

5. संविधान सभा के अध्यक्ष चुने जाने से पहले राजेन्द्र प्रसाद कितनी बार कांग्रेस के अध्यक्ष बन चुके थे? अतिरिक्त

(क) एक बार

(ख) दो बार

(ग) तीन बार

(घ) एक बार भी नहीं

उत्तर: दो बार। वे 1934 और 1939 में कांग्रेस के अध्यक्ष बन चुके थे, तीसरी बार वे 1947 में बने।

---

6. भारत का संविधान किस तिथि को लागू हुआ? अतिरिक्त

(क) 15 अगस्त 1947

(ख) 26 जनवरी 1950

(ग) 11 दिसंबर 1946

(घ) 28 फरवरी 1963

उत्तर: 26 जनवरी 1950। इसी दिन राजेन्द्र प्रसाद भारत के पहले राष्ट्रपति बने।

---

7. राष्ट्रपति के रूप में राजेन्द्र प्रसाद का कार्यकाल किस वर्ष समाप्त हुआ? अतिरिक्त

(क) 1950

(ख) 1957

(ग) 1962

(घ) 1963

उत्तर: 1962। वे 1950 से 1962 तक, बारह वर्षों तक राष्ट्रपति रहे।

---

8. भारत रत्न मिलने के समय राजेन्द्र प्रसाद किस पद पर थे? अतिरिक्त

(क) कांग्रेस अध्यक्ष

(ख) राष्ट्रपति

(ग) संविधान सभा के अध्यक्ष

(घ) वकील

उत्तर: राष्ट्रपति। सन् 1962 में भारत रत्न मिलने के समय वे भारत के राष्ट्रपति थे।

---

9. सादगी के कारण राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व को कैसा कहा गया है? अतिरिक्त

(क) राजा जैसा

(ख) किसान जैसा

(ग) सैनिक जैसा

(घ) व्यापारी जैसा

birlaeducation.org

उत्तर: किसान जैसा। अपनी सादगी और सरलता के कारण उनका व्यक्तित्व किसान जैसा कहा गया है।

---

10. परस्पर भय, अविश्वास, वैरभाव और असुरक्षा को राजेन्द्र प्रसाद किसका कारण मानते थे? अतिरिक्त

(क) प्रगति का

(ख) युद्धों का

(ग) मित्रता का

(घ) प्रजातंत्र का

उत्तर: युद्धों का। उनका कहना था कि युद्धों के कारणों को समाप्त करने के लिए भय, अविश्वास, वैरभाव और असुरक्षा को दूर करना होगा।

---

11. राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार जब विश्व का कोई व्यक्ति कष्ट उठाता है, तो क्या होता है? अतिरिक्त

(क) केवल वही कष्ट उठाता है

(ख) सभी कष्ट उठाते हैं

(ग) कोई कष्ट नहीं उठाता

(घ) केवल उसका देश कष्ट उठाता है

उत्तर: सभी कष्ट उठाते हैं। वे मानते थे कि समस्त मानवता एक है।

---

12. राजेन्द्र प्रसाद सभी राष्ट्रों से अपनी सोच के बारे में क्या चाहते थे? अतिरिक्त

(क) सोच का क्षितिज व्यापक बनाना

(ख) सोच को सीमित रखना

(ग) केवल अपने देश के बारे में सोचना

(घ) दूसरों से कुछ न सीखना

उत्तर: सोच का क्षितिज व्यापक बनाना। वे चाहते थे कि सभी राष्ट्र अपनी सोच का क्षितिज व्यापक बनाएँ, ज्ञान में वृद्धि करें और सभ्य जीवन जीएँ।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA) - 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

1. राजेन्द्र प्रसाद का जन्म किस गाँव में हुआ था? अतिरिक्त

उत्तर: जीरादेई गाँव में।

---

2. रिक्त स्थान भरिए: राजेन्द्र प्रसाद का जन्म बिहार के _____ जिले के जीरादेई गाँव में हुआ था। अतिरिक्त

उत्तर: सारण।

---

3. राजेन्द्र प्रसाद ने कानून की पढ़ाई किस शहर से की थी? अतिरिक्त

birlaeducation.org

उत्तर: कलकत्ता से।

---

4. चंपारण सत्याग्रह किस वर्ष हुआ था? अतिरिक्त

उत्तर: सन् 1917 में।

---

5. सही या गलत बताइए: राजेन्द्र प्रसाद सन् 1947 में तीसरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अतिरिक्त

उत्तर: सही। वे 1934, 1939 और 1947 में कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।

---

6. भारत रत्न मिलने के कितने समय बाद राजेन्द्र प्रसाद का निधन हुआ? अतिरिक्त

उत्तर: लगभग एक वर्ष बाद। उन्हें सन् 1962 में भारत रत्न मिला और 28 फरवरी 1963 को पटना में उनका निधन हुआ।

---

7. राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार सभी राष्ट्रों को क्या करना होगा? अतिरिक्त

उत्तर: सभी राष्ट्रों को अपनी सोच का क्षितिज व्यापक बनाना होगा, ज्ञान में वृद्धि करनी होगी और सभ्य जीवन जीना होगा।

---

8. रिक्त स्थान भरिए: 26 जनवरी 1950 को भारत _____ बना। अतिरिक्त

उत्तर: गणतंत्र।

---

9. सही या गलत बताइए: राजेन्द्र प्रसाद मानते थे कि समस्त मानवता एक है, इसलिए उसमें कोई जातिगत या संप्रदायगत भेद नहीं है। अतिरिक्त

उत्तर: गलत। जातिगत, संप्रदायगत और वर्गभेद हैं, फिर भी समस्त मानवता एक है।

---

10. राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी राजेन्द्र प्रसाद कैसा जीवन जीते थे? अतिरिक्त

उत्तर: वे राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी सादा जीवन जीते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (SA) - 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

1. राजेन्द्र प्रसाद ने वकालत क्यों छोड़ी? अतिरिक्त

उत्तर: देशसेवा की भावना ने राजेन्द्र प्रसाद को वकालत छोड़ने को प्रेरित किया। सन् 1917 में चंपारण सत्याग्रह के बाद उन्होंने वकालत छोड़ दी और पूरा समय देशसेवा में लगा दिया।

---

2. चंपारण सत्याग्रह ने राजेन्द्र प्रसाद के जीवन में क्या मोड़ लाया? अतिरिक्त

उत्तर: चंपारण सत्याग्रह के समय से राजेन्द्र प्रसाद गांधीजी के साथ जुड़ गए और उनके सच्चे शिष्य बन गए। इस सत्याग्रह के बाद उन्होंने वकालत छोड़ दी और पूरा समय देशसेवा में लगा दिया। इस प्रकार चंपारण सत्याग्रह उनके जीवन का बड़ा मोड़ बना।

birlaeducation.org

---

3. राजेन्द्र प्रसाद कांग्रेस के अध्यक्ष किन वर्षों में बने? सन् 1947 का कार्यकाल क्यों विशेष था? अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद 1934, 1939 और 1947 में कांग्रेस के अध्यक्ष बने। सन् 1947 का कार्यकाल इसलिए विशेष था, क्योंकि उसी वर्ष देश स्वतंत्र हुआ और स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में वे राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ रहे थे।

---

4. संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में राजेन्द्र प्रसाद सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करते थे? अतिरिक्त

उत्तर: संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में राजेन्द्र प्रसाद सभी सदस्यों की बात धैर्य से सुनते थे और सबको साथ लेकर चलते थे। उनके इसी व्यवहार से संविधान निर्माण की पूरी प्रक्रिया शांति से पूरी हुई।

---

5. राष्ट्रपति के रूप में राजेन्द्र प्रसाद का बारह वर्षों का कार्यकाल क्यों विशेष माना जाता है? अतिरिक्त

उत्तर: यह किसी भी भारतीय राष्ट्रपति का सबसे लंबा कार्यकाल है। इतने लंबे समय तक राष्ट्रपति रहकर उन्होंने युवा गणतंत्र को स्थिरता दी और प्रजातंत्र की नींव मजबूत की।

---

6. राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार घृणा और शत्रुता छोड़कर हमें क्या करना चाहिए? अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार हमें घृणा करना और शत्रुता छोड़ देनी चाहिए तथा प्रेमपूर्वक एक दूसरे को समझने की कोशिश करनी चाहिए। हमें सभी प्रकार की हिंसा से बचना चाहिए और सभी राष्ट्रों के बीच शांति और मित्रता स्थापित करनी चाहिए।

---

7. राजेन्द्र प्रसाद के अनुसार विश्व के किसी भी देश के कष्ट से हम क्यों जुड़े हैं? अतिरिक्त

उत्तर: क्योंकि समस्त मानवता एक है। जब विश्व का कोई व्यक्ति या देश कष्ट उठाता है, तो सभी कष्ट उठाते हैं। इसलिए कोई भी देश अपने को दूसरों से अलग नहीं मान सकता।

---

8. राजेन्द्र प्रसाद का निधन कहाँ हुआ? उनके जीवन का अंतिम वर्ष किन घटनाओं से जुड़ा था? अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद का निधन 28 फरवरी 1963 को पटना में हुआ। उनके जीवन का अंतिम वर्ष सन् 1962 में भारत रत्न मिलने से जुड़ा था, जो उनके देशसेवा के जीवन का सर्वोच्च सम्मान था।

---

9. राजेन्द्र प्रसाद के प्रजातंत्र संबंधी विचार आज के समय में क्यों महत्त्वपूर्ण हैं? अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद मानते थे कि सच्चा प्रजातंत्र वही है जो संसार के सभी समुदायों को प्रसन्नता दे। आज भी प्रजातंत्र की सफलता इसी बात से मापी जाती है कि वह सबको समान अधिकार, शांति और प्रसन्नता दे पाता है या नहीं।

---

10. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन की किन्हीं तीन घटनाओं को चुनकर बताइए कि उनसे देशसेवा की भावना कैसे प्रकट होती है? अतिरिक्त

उत्तर: पहली घटना चंपारण सत्याग्रह में किसानों की सहायता करना है। दूसरी घटना वकालत छोड़कर पूरा समय देशसेवा में लगाना है। तीसरी घटना संविधान सभा के अध्यक्ष और भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में देश की सेवा करना है। इन तीनों घटनाओं से उनकी देशसेवा की भावना प्रकट होती है।

birlaeducation.org

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ) - 8 प्रश्न

उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. गोपाल कृष्ण गोखले से लेकर महात्मा गांधी तक, राजेन्द्र प्रसाद के वैचारिक विकास का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद आरंभ में राष्ट्रीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले से प्रभावित थे। गोखले के उदार और सेवाभाव वाले विचारों ने उन पर गहरा प्रभाव डाला। पर बाद में वे महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और कृतित्व से सबसे अधिक प्रभावित हुए। सन् 1917 में चंपारण सत्याग्रह के समय से वे गांधीजी के साथ जुड़ गए और उनके सच्चे शिष्य बन गए। गांधीजी के अहिंसा, सत्य और शांति के आदर्शों को उन्होंने अपने जीवन में उतारा। इस प्रकार उनका वैचारिक विकास गोखले के विचारों से गांधीजी के सत्याग्रह और शांति के आदर्शों तक पहुँचा, और दोनों का प्रभाव उनके जीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता था।

---

2. चंपारण सत्याग्रह से लेकर संविधान सभा के अध्यक्ष बनने तक राजेन्द्र प्रसाद के राजनीतिक जीवन का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: सन् 1917 में चंपारण सत्याग्रह के समय राजेन्द्र प्रसाद गांधीजी के साथ जुड़ गए। वहाँ नील की खेती करने वाले किसानों पर अंग्रेज बागान मालिक अत्याचार करते थे, और राजेन्द्र प्रसाद ने किसानों की शिकायतें सुनकर गांधीजी के साथ मिलकर

जाँच में मदद की। इस सत्याग्रह के बाद उन्होंने वकालत छोड़ दी और पूरा समय देशसेवा में लगा दिया। वे तीन बार, 1934, 1939 और 1947 में, कांग्रेस के अध्यक्ष बने। 11 दिसंबर 1946 को वे संविधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। इस प्रकार चंपारण से संविधान सभा तक की यात्रा में वे गांधीजी के शिष्य से देश के बड़े नेता बन गए।

---

3. संविधान सभा के अध्यक्ष और भारत के पहले राष्ट्रपति, दोनों भूमिकाओं में राजेन्द्र प्रसाद ने भारतीय प्रजातंत्र की नींव कैसे मजबूत की? अतिरिक्त

उत्तर: संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान निर्माण की पूरी प्रक्रिया का संचालन किया। वे सभी सदस्यों की बात धैर्य से सुनते थे और सबको साथ लेकर चलते थे। उनके नेतृत्व में संविधान सभा ने भारत का संविधान तैयार किया, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान में उन्होंने प्रजातंत्र, समानता, न्याय और स्वतंत्रता के आदर्शों को स्थान दिलाया। भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने बारह वर्षों तक संविधान की मर्यादा की रक्षा की और प्रजातंत्र को मजबूत बनाया। वे सादगी और सरलता के प्रतीक थे और मानते थे कि सच्चा प्रजातंत्र वही है जो सभी समुदायों को प्रसन्नता दे। इस प्रकार दोनों भूमिकाओं में उन्होंने युवा गणतंत्र को स्थिरता दी और भारतीय प्रजातंत्र की नींव मजबूत की।

---

4. राजेन्द्र प्रसाद के विश्व शांति संबंधी विचारों को आज के विश्व की स्थिति से जोड़कर समझाइए। अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद विश्व शांति के बड़े पक्षधर थे। उनका मानना था कि सभी राष्ट्रों के बीच शांति और मित्रता स्थापित करने के लिए संघर्ष करना चाहिए। वे एकपक्षीय परमाणु निरस्त्रीकरण के पक्ष में थे और चाहते थे कि इसके लिए प्रस्ताव पारित और स्वीकृत किए जाएँ। उनका कहना था कि हमें उन कारणों को समाप्त करना होगा जो युद्धों का कारण बनते हैं, और परस्पर भय, अविश्वास, वैरभाव तथा असुरक्षा को दूर करना होगा। वे मानते थे कि समस्त मानवता एक है और जब विश्व का कोई व्यक्ति या देश कष्ट उठाता है, तो सभी कष्ट उठाते हैं। आज भी जब दुनिया में युद्धों और हथियारों की होड़ चल रही है, तब उनके ये विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि शांति ही मानवता का सच्चा मार्ग है।

biharboardonline.org

---

5. 'सादगी ही सच्ची महानता है', राजेन्द्र प्रसाद के जीवन के उदाहरणों से इस कथन की पुष्टि कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद का जीवन सादगी और सरलता का उदाहरण है। अपनी सादगी के कारण वे किसान जैसा व्यक्तित्व पाकर भी भारत के पहले राष्ट्रपति बने। राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी वे सादा जीवन जीते थे। बड़ा पद पाकर भी उन्होंने सादगी नहीं छोड़ी। उनका जीवन सिखाता है कि सच्ची महानता दिखावे में नहीं, सेवा और सादगी में है। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि मेहनत और लगन से गाँव का एक साधारण विद्यार्थी देश का राष्ट्रपति बन सकता है। इस प्रकार राजेन्द्र प्रसाद के जीवन से 'सादगी ही सच्ची महानता है' कथन की पूरी पुष्टि होती है।

---

6. राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा 'आत्मकथा' के महत्त्व पर लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा का नाम 'आत्मकथा' है। इसमें उन्होंने अपने जीवन की घटनाओं, अपने विचारों और अपने संघर्षों को लिखा है। आत्मकथा से हमें पता चलता है कि गाँव के एक साधारण विद्यार्थी ने मेहनत और लगन से पढ़ाई में प्रथम स्थान पाया, वकालत की और फिर देशसेवा के लिए वकालत छोड़ दी। आत्मकथा से उनके सादगी, सत्यनिष्ठा और गांधीजी के प्रति निष्ठा वाले व्यक्तित्व को समझने में सहायता मिलती है। विद्यार्थियों के लिए यह आत्मकथा मेहनत, सादगी और देशसेवा की प्रेरणा देने वाली पुस्तक है। किसी नेता की आत्मकथा पढ़ने से उसके विचारों और जीवन मूल्यों को सीधे समझा जा सकता है।

---

7. भारत रत्न से सम्मानित होने का राजेन्द्र प्रसाद के जीवन में क्या स्थान है? अतिरिक्त

उत्तर: सन् 1962 में राजेन्द्र प्रसाद को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान उन्हें राष्ट्रपति के पद पर रहते हुए मिला, जब वे बारह वर्षों से देश की सेवा कर रहे थे। यह सम्मान उनके संविधान निर्माण में योगदान, गांधीजी के आदर्शों के प्रति निष्ठा और देशसेवा के लंबे जीवन का सम्मान था। इसके लगभग एक वर्ष बाद, 28 फरवरी 1963 को, पटना में उनका निधन हो गया। इस प्रकार भारत रत्न उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान बनकर उनके देशसेवा के जीवन की पूर्णता को दर्शाता है।

---

8. सन् 1947 में तीसरी बार कांग्रेस अध्यक्ष बनने का राजेन्द्र प्रसाद के जीवन में क्या महत्त्व था? अतिरिक्त

उत्तर: राजेन्द्र प्रसाद 1934 और 1939 के बाद सन् 1947 में तीसरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष बने। सन् 1947 में ही देश स्वतंत्र हुआ, इसलिए स्वतंत्रता के वर्ष में कांग्रेस का नेतृत्व उनके हाथ में था। यह उनके जीवन का वह मोड़ था जहाँ वे स्वतंत्रता संग्राम के नेता से राष्ट्र निर्माण के नेता बन गए। वे पहले ही 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा के अध्यक्ष चुने जा चुके थे, और 26 जनवरी 1950 को वे भारत के पहले राष्ट्रपति बने। इस प्रकार सन् 1947 का कार्यकाल उनके जीवन में स्वतंत्रता संग्राम से राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ने का वर्ष बना।

---

birlaeducation.org